आज़ादी की जंग का ऐलान तो किसी सोशल साइट पर नहीं हुआ था!

DEBATING SOCIAL MEDIA

सिटी रिपोर्टर • जब मंगल पांडे ने इंकलाब किया था तब कौन सी फेसबुक थी, कहां था वॉटसएप्प... कौन सी वेबसाइट्स पर स्पेशल पेजेस बनाए गए थे आज़ादी की जंग के... लेकिन मंगल पांडे की शहादत की खबर आग की तरह पूरे देश में फैली और क्रांति की ऐसी लहर पैदा हुई कि पूरा हिंदुस्तान जैसे एक स्वर में हुंकार भरता उठ खड़ा हुआ था ब्रिटिश तानाशाहों के खिलाफ़। क्या तब फेसबुक या वॉटसएप्प ने इस आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाया था। इसलिए यह कहना तो ग़लत ही होगा कि सोशल मीडिया के बिना कॉम नहीं चल सकता। जो यह कह रहे हैं उनके लिए यह ज़रूरत नहीं रहा बल्कि लत बन गया है।

'सोशल नेटवर्किंग- वरदान या अभिशाप' विषय पर पिछले दिनों शहर के एक स्कूल में इंटरस्कूल वाद विवाद प्रतियोगिता हुई। कुछ ऐसे ही विचार रखे स्कूल के बच्चों ने। अहिल्योत्सव समिति की ओर से हुई इस कॉम्पीटिशन में शहर से 21 स्कूलों ने पार्टीसिपेट किया। तकरीबन 42 स्टूडेंट्स ने पक्ष विपक्ष में अपने विचार रखे। 18 स्टूडेंट्स को सिलेक्ट किया गया जिनमें नौ स्टूडेंट्स पक्ष के हैं और नौ विपक्ष के। फाइनल राउंड 2 सितंबर को होगा। कार्यक्रम में मेयर मालिनी गौड़, कलेक्टर पी. नरहरि, आईजी वरुण कपूर ने भी बच्चों को सम्बोधित किया।

ये स्टूडेंट्स सिलेक्ट हुए

सुहाना लोधी, शर्लिन गुप्ता, नमनदीप सलूजा, उन्नयन झांझारी, मानसी तागड़े, पायल भगवानी, कृतिका मोटे, प्रशंसा व्यास, नेहा चौहान, मानसी जैन, यशस्वी भामरे, सुमेरा शेख, दिव्यानी वर्मा, अक्षता व्यास, शुभम थौराथ, सिमरन चुघ और अंशुल लिखार